चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ·छोर	07.06.2026	-----	----

साइकिल रैली से फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज का दिया संदेश

नभ-छोर न्यूज ⏭ 07 जून

राजकुमार

हिसार। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं जिंदल स्टेनलैस लिमिटेड के सहयोग से एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह आयोजन भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा ऊर्जा बचत के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के

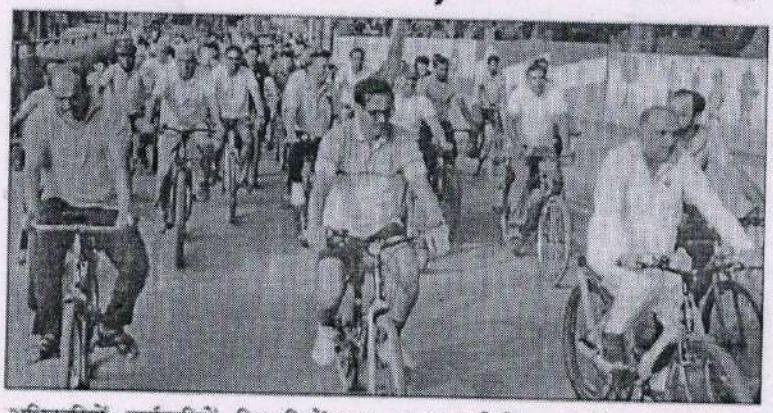

अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि साइकिल न केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक सरल एवं प्रभावी माध्यम है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रूप से साइकिल चलाने का आह्वान करते हुए फिट इंडिया- स्वस्थ भारत का संदेश दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण, प्रशिक्षण केंद्र के सहायक निदेशक विजय मनचंदा ने कहा कि नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा यह एक स्वच्छ, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधन है। इस अवसर पर हिसार रोडीज के अध्यक्ष डॉ. अनुज अग्रवाल ने कहा कि 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' का संदेश प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। विश्व साइकिल दिवस पर इस आयोजन ने फिट इंडिया अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए समाज में स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.6.26	14	3

'खेत बचाओ अभियान' के तहत होंगे जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में किसानों के लिए जून मास के दौरान 'जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखना, उत्पादन लागत कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

- विश्वविद्यालय सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में होंगे कार्यक्रम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा क्षरण, मृदा कार्बन में कमी, पोषक तत्वों का असंतुलन तथा जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान हरियाणा के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा गांव स्तरीय बैठकें, किसान गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत दिवस, रैलियां तथा जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन, संतुलित पोषण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.6.26	5	6-8

हकृवि द्वारा प्रदेश में 'खेत बचाओ अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम होंगे आयोजित

हिसार, 7 जून (विरेन्द्र वर्मा): केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में किसानों के लिए जून मास के दौरान 'जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखना, उत्पादन लागत कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह जानकारी देते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा क्षरण, मृदा कार्बन में कमी, पोषक तत्वों का असंतुलन तथा जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान हरियाणा के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा गांव स्तरीय बैठकें, किसान गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत दिवस, रैलियां तथा जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन, संतुलित पोषण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ

विश्वविद्यालय सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में होंगे कार्यक्रम

खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रो. काम्बोज ने कहा कि किसानों को हरी खाद, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट तथा जैव उर्वरकों जैसे वैकल्पिक पोषण स्रोतों के उपयोग तथा असली एवं नकली कीटनाशकों की पहचान के बारे में जागरूक किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि खरीफ फसलों में संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को हरी खाद, जैविक खाद एवं अन्य प्राकृतिक विकल्पों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के तहत किसानों को जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा संरक्षण एवं फसल विविधीकरण जैसी तकनीकों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि मृदा, जल एवं पर्यावरण का संरक्षण भविष्य की कृषि सुरक्षा की आधारशिला है। संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों का चयन न केवल उत्पादन बढ़ाएगा बल्कि खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी भी बनाएगा। इसके प्रथम चरण में संतुलित उर्वरक प्रयोग अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में किसानों एवं कृषि हितधारकों ने भागीदारी की। इस दौरान प्रदेश में 248 जागरूकता शिविर, 50 किसान गोष्ठी, 58 प्रशिक्षण कार्यक्रम व 17 सरपंच सम्मेलन आयोजित किए गए। सोशल मीडिया के माध्यम से एक लाख 40 हजार किसानों को जागरूक किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल	07.06.2026	-----	----

स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण के लिए साइकिल अपनाएं: प्रो. काम्बोज

हकृवि व साईं के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई साइकिल रैली

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साईं) और हकृवि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मुख्य अतिथि तथा विजय कुमार मनचंदा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। रैली को विश्वविद्यालय सचिवालय परिसर से झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, एचएयू गेट नंबर-4, फव्वारा चौक और लक्ष्मीबाई चौक से होते हुए

कुलपति कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में कुलपति सहित शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, विद्यार्थी, साईं के कर्मचारी और खिलाड़ी शामिल हुए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और यातायात की समस्याओं के बीच साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी विकल्प है। नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है तथा मानसिक तनाव में कमी आती है।

उन्होंने कहा कि छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग कर ईंधन की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' के रूप में मनाया जाता है, जिसमें शिक्षक, कर्मचारी और अन्य स्टाफ साइकिल या पैदल कार्यालय पहुंचते हैं।

निदेशक विद्यार्थी कल्याण डॉ. एम.एल. खीचड़ ने बताया कि रैली का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
वृक्ष चर्चा न्यूज	07.06.2026	-----	----

साइकिल का प्रयोग स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी - प्रो काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (साई) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। यदि हम छोटी-छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करें, तो ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में हमारा दायित्व बनता है कि हम युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरणीय चेतना का विकास करें। विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर हरित एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व साइकिल दिवस का आयोजन भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि वे साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करें और अपने परिवार तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होनें बताया कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार नो व्हीकल डे के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक और अन्य कर्मचारी अपने निवास स्थान से साइकिल या पैदल चलकर अपने कार्यालयों में आते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.6.26	3	1-7

विश्व साइकिल दिवस : एचएयू में निकाली रैली

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से साइकिल रैली आयोजित की।

कुलप्रति बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में हर शुक्रवार ''नो व्हीकल डे'' मनाया जाता है, जब कर्मचारी और विद्यार्थी साइकिल या पैदल कार्यालय आते हैं।

कुलपति ने कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। निदेशक विद्यार्थी कल्याण एम.एल. खीचड़ के अनुसार रैली सचिवालय परिसर से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कुलपति कार्यालय पर संपन्न हुई। साइकिल रैली शॉपिंग कॉम्प्लैक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, एचएयू गेट नंबर 4, फव्वारा चौक, लक्ष्मीबाई चौक से होती हुई कार्यालय पहुंची।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.6.26	10	6-8

साइकिलिंग स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक : प्रो. कम्बोज

■ हकृवि एवं साईं ने साइकिल रैली में लोगों ने बढ़चढ़कर भाग लिया

• हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। साइकिल रैली में उपस्थित कुलपति व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (साईं) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर जबकि विजय कुमार मनचंदा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। यदि हम छोटी-छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करें, तो ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.6.26	5	1-3

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में निकाली रैली

- हकृवि और साई की तरफ से आयोजित की गई साइकिल रैली
- प्रत्येक शुक्रवार को विश्वविद्यालय में मनाया जाता है नो व्हीकल डे
- कुलपति ने कहा, हम युवाओं में पर्यावरणीय चेतना का विकास करें

साइकिल रैली में भाग लेते हुए हकृवि के कुलपति प्रो. काम्बोज व अन्य अधिकारी • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (साई) व हकृवि की ओर से आयोजित की गई। रविवार को विश्वविद्यालय सचिवालय परिसर में साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल रैली शापिंग कंपलेक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, एचएयू गेट नंबर-4, फव्वारा चौक, लक्ष्मीबाई चौक से होती हुई कुलपति कार्यालय में जाकर संपन्न हुई। इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में हमारा दायित्व बनता है कि हम युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरणीय चेतना का विकास करें। विश्वविद्यालय समय-समय पर हरित एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा हैं। विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार नो व्हीकल डे के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक और अन्य कर्मचारी अपने निवास स्थान से साइकिल या पैदल चलकर अपने कार्यालयों में आते हैं।

निदेशक विद्यार्थी कल्याण डा. एमएल खीचड़ ने बताया कि साइकिल रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.6.26	5	2-5

साइकिल का प्रयोग स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी : प्रो. काम्बोज

हकृवि एवं साई ने साइकिल रैली का किया आयोजन

हिसार, 7 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। निदेशक विद्यार्थी कल्याण डॉ एम.एल. खीचड़ ने बताया कि साइकिल रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विधार्थियों के अलावा साई के कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। उन्होंनें बताया कि रविवार को विश्वविद्यालय सचिवालय परिसर में साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल रैली शॉपिंग काम्पलेक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, हकृवि गेट नंबर 4, फव्वारा चौक, लक्ष्मीबाई चौक से होती हुई कुलपति कार्यालय में जाकर संपन्न हुई। कुलपति ने साइकिल रैली में स्वयं शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं विधार्थियों के साथ साइकिल चलाकर आम नागरिकों को भी साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया।

साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.6.26	5	6-8

साइकिल का प्रयोग स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी : प्रो. काम्बोज

हकृवि एवं साई ने साइकिल रैली का किया आयोजन

हिसार, 7 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। यदि हम छोटी-छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करें, तो ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में हमारा दायित्व बनता है कि हम युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरणीय चेतना का विकास करें। विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर हरित एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व साइकिल दिवस का आयोजन भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि वे साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करें और अपने परिवार तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार को व्हीकल डे के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक और अन्य कर्मचारी अपने निवास स्थान से साइकिल या पैदल चलकर अपने कार्यालयों में आते हैं। निदेशक विद्यार्थी कल्याण डॉ एम.एल. खीचड़ ने बताया कि साइकिल रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विधार्थियों के अलावा साई के कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि रविवार को विश्वविद्यालय सचिवालय परिसर में साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली शॉपिंग कंपलेक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, एचएयू गेट नंबर 4, फव्वारा चौक, लक्ष्मीबाई चौक से होती हुई कुलपति कार्यालय में जाकर संपन्न हुई। कुलपति ने साइकिल रैली में स्वयं शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं विधार्थियों के साथ साइकिल चलाकर आम नागरिकों को भी साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया।

साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.6.26	3	4-5

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को मिलेगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। केंद्र सरकार के खेत बचाओ अभियान के तहत जून माह में प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर किसानों के लिए जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखना, उत्पादन लागत कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक और असंतुलित उपयोग से मृदा क्षरण, कार्बन की कमी, पोषक तत्वों का असंतुलन तथा जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए किसानों को वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर प्रेरित करना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान हरियाणा के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से गांव स्तरीय बैठकें, किसान गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत दिवस, रैलियां और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन, संतुलित पोषण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ खेती की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

कुलपति ने कहा कि किसानों को हरी खाद, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट और जैव उर्वरकों जैसे वैकल्पिक पोषण स्रोतों के उपयोग के साथ असली और नकली कीटनाशकों की पहचान के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। खरीफ फसलों में संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जैविक खाद, हरी खाद और अन्य प्राकृतिक विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों का चयन न केवल उत्पादन बढ़ाएगा, बल्कि खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी भी बनाएगा।

17 सरपंच सम्मेलन किए

संतुलित उर्वरक प्रयोग अभियान के प्रथम चरण में प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में किसानों और कृषि हितधारकों ने भाग लिया। इस दौरान 248 जागरूकता शिविर, 50 किसान गोष्ठियां, 58 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 17 सरपंच सम्मेलन आयोजित किए गए। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से करीब एक लाख 40 हजार किसानों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.06.2026	-----	----

खेत बचाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा हकृवि

नभ-छोर न्यूज ⏭ 07 जून

हिसार। केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में किसानों के लिए जून मास के दौरान जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखना, उत्पादन लागत कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा क्षरण, मृदा कार्बन में कमी, पोषक तत्वों का असंतुलन तथा जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान राज्य के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा गांव स्तरीय बैठकें, किसान गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत दिवस, रैलियां तथा जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन, संतुलित पोषण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। अभियान के तहत किसानों को जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा संरक्षण एवं फसल विविधीकरण जैसी तकनीकों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.06.2026	-----	----

साइकिल का प्रयोग स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी : प्रो काम्बोज

हकृवि एवं साई ने साइकिल रैली का किया आयोजन

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि जबकि विजय कुमार मनचंदा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। यदि हम छोटी-छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करें, तो ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कुलपति प्रो काम्बोज ने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में हमारा दायित्व बनता है कि हम युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरणीय चेतना का विकास करें। विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर हरित एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व साइकिल दिवस का आयोजन भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से कहा कि वे साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित करें और अपने परिवार तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार नो व्हीकल डे के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक और अन्य कर्मचारी अपने निवास स्थान से साइकिल या पैदल चलकर अपने कार्यालयों में आते हैं। निदेशक विद्यार्थी कल्याण डॉ एम.एल. खीचड़ ने बताया कि साइकिल रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थियों के अलावा साई के कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि रविवार को विश्वविद्यालय सचिवालय परिसर में साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ओल्ड कैंपस, न्यू कैंपस, एचएयू गेट नंबर 4, फव्वारा चौक, लक्ष्मीबाई चौक से होती हुई कुलपति कार्यालय में आकर संपन्न हुई। कुलपति ने साइकिल रैली में स्वयं शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ साइकिल चलाकर आम नागरिकों को भी साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया।